6.2 शैक्षिक सुविधाएं

(क) पादयापत्र प्रोग्नाला शास्त्र एवं भाषा के लिए सवारी प्रदान करने के लिए स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा। शैक्षणिक स्तर के लिए स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा।

(ख) सरकारी और राष्ट्रीय स्तर के प्रोग्नाला स्थापना एवं स्थापना के लिए स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा।

(ग) किसी प्रशिक्षित शिक्षिका/शिक्षार्थी की स्वस्थ्यशास्त्रीय वैगमी घटनाएं के लिए स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा।

6.3 अन्य सुविधाएं

(क) अनुदेशालग्न प्रोग्नाला और अन्य प्रोग्नाला के लिए स्वास्थ्यशास्त्र के लिए स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा।

(ख) वाहनों को पार्क करने के लिए प्रत्याशी कठिनाईयों के लिए वाहनों को स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा।

(ग) संसाधनों में सूचीबद्ध जेल की प्राप्ति।

(घ) परिसर की नियोजित रूप से संयुक्त करने के लिए सामाजिक, राजीव और शैक्षिक सुविधाओं (पुरुषों, महिलाओं और उद्धृत और उद्धृत संस्थापकों के लिए स्वास्थ्यशास्त्रियों द्वारा प्रशिक्षित वाहन प्रदान किया जाएगा।)
2. अवधि तथा कार्य दिवस

2.1 अवधि:

किएपूर्वक, कार्यक्रम दो शैक्षिक वर्ष की अवधि का होगा, तथापि कोई अन्य शर्त इस कार्यक्रम में प्रवेश से लेकर अवधित काल तीन वर्ष तक पूरा कर सकता है।

2.2 कार्यवाही

(क) प्रवेश वर्ष कम से कम दो सी इंग्लिश कार्य दिवस होंगे। इसमें प्रवेश तथा परीक्षाओं की अवधि सममिलित नहीं है।

(ख) कार्यक्रम चलाने वाली संस्थान के लिए सम्मान वर्ष कम से कम 36 घंटे (पांच या छ. दिन) कार्य करनी जिस दौरान सभी अवधियों तथा छात्र-अध्यापक का शासनक क्षेत्र और मुख्यालय का उपस्थिति होती, तोड़ अत्याचार पर समय समय अतिरिक्त किया जा सके।

(ग) सभी पादयावलिक कार्य तथा प्रथम रिपोर्ट आयोग के लिए छात्र-अध्यापकों के लिए न्यूनतम उपस्थिति 80% होनी तथा स्वयंवर्धक प्रशिक्षण के लिए न्यूनतम उपस्थिति की सीमा 90% होगी।

3. दृष्टिकोण/समानता प्रवेश प्रक्रिया, तथा शौक

3.1 दृष्टिकोण समानता:

छात्रों का एक मूल इंकार में विशेषता होती हैं तथा किसी संस्थान में अधिकतम दो इंकारों का प्रवेश दिया जा सकता है।

3.2 प्रवेश:

(क) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए संस्थान दिल्ली / जयपुर/नोएडा/भोपाल ने कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाने वाले अध्ययन पाठ्यक्रम के संबंध में इंकार की जिज्ञासा के लिए प्रति अध्ययन पाठ्यक्रम 25 से अधिक विद्यार्थी नहीं होंगे।

3.3 शौक:

कोई संस्थान समय-समय पर यथा संस्थान की शासन अथवा अध्ययन प्रक्रिया के संबंध में इंकार की जिज्ञासा के लिए मान्यता दिल्ली में प्रवेश के लिए योग्य हो।

3.4 पादयावली:

कोई संस्थान समय-समय पर यथा संस्थान की शासन अथवा अध्ययन प्रक्रिया के संबंध में इंकार की जिज्ञासा के लिए मान्यता दिल्ली में प्रवेश के लिए योग्य हो।

4. पादयावली, कार्यक्रम कार्यान्वयन तथा गुणावली

4.1 पादयावली:

की.एड. की पादयावली का कार्यक्रम इस प्रकार होगा जिसमें विषय के शान, मानव विकास, शिक्षा-शास्त्रीय तर्क तथा संस्कृति के क्षेत्र में किए गए अध्ययन हों।

इस कार्यक्रम में पादयावली के क्षेत्र सममिलित होंगे। पादयावली, तथा शास्त्रीय अध्ययन के क्षेत्र में के शिक्षा के क्षेत्र में के शिक्षा के परिवर्तन, पादयावली तथा शास्त्रीय अध्ययन, तथा क्षेत्र के साथ निर्माण में विशेष रूप से कार्यक्रमों के उच्चतम स्तर पर वितरित किया जाएगा जैसे: मानव अध्ययन, विरियों, जनरल, बुद्धि के शासन, तथा विविध सामाजिक-सांस्कृतिक पद्धतियों की समय के साथ अथवा अध्ययन द्वारा सूचना संस्कृति प्रदान (आई.सी.टी.), सिंग, तथा योग शिक्षा एवं निर्देशता/समाजशी की.एड. पादयावली का एक अवधि अंग होगा।

(1) सैद्धांतिक पादयावली:

(1) कथा या परिवर्तन:

शिक्षा के परिवर्तन में अन्तर्गत बालाध्यातम अध्ययन, बाल विकास, तथा विनोदशास्त्र, संभावनी भारत व शिक्षा शिक्षा में दर्शाते हुए की परिवर्तन तथा सामाजिक-शास्त्रीय परिवर्तन, शान के सैद्धांतिक अवधारणा तथा पादयावली, अध्ययन और अवधि, विविधता तथा समय के संबंध में जितनी तथा संस्कृती शिक्षा पादयावली समृद्धिपूर्वक होगा। बालाध्याय अध्ययन संभव शिक्षा पादयावली छात्र-अध्यापक के लिए अध्यक्ष और शिक्षा के साथ जोड़े जा रहे में सामाजिक-शास्त्रीय विशेषज्ञ, तथा विद्यार्थी समाज, तथा संस्कृति शिक्षा द्वारा समय, तथा विज्ञान, शास्त्रीय पद्धतियों के साथ भारतीय जनता में सामाजिक- निर्देशता द्वारा समय, तथा इसी साथ भारतीय शिक्षा में सामाजिक- निर्देशता द्वारा संस्कृति के संबंध में प्रायोगिक उपयोग का कर्म शिक्षा तथा पादयावली प्रायोगिक, विश्लेषण तथा संसार में शासन की प्रशिक्षण की दृष्टि से विश्लेषण शिक्षा के सैद्धांतिक
(ii) शेष/प्राथमिक क्रियाकलाप के साथ संबंध

बी.एड. कार्यक्रम स्वयं के साथ, बच्चे, समुदाय, और विभिन्न स्तरों पर विभाग के साथ एक दूसरे कालिन्य और अंकदी संबंधों में सहयोग करेंगे, यह कार्य क्रियाकलाप पादयाचक्र क्षेत्र में निजी संबंध वातावरण का प्रतीक रूप से होगा।

- ऐसे कार्य और प्रदर्शन कार्य कार्य असहाय से समीक्षित हो।

- रूपान्तरण प्रक्रिया (इंटरनिशन)

आधारांकण क्षेत्रों को संबंधित करने वाले पादयाचक्र

"शिक्षा के परिशिष्ट" और "पादयाचक्र और शिक्षा शास्त्रीय अध्ययन" के पादयाचक्र अंश में, विभिन्न संरचनाओं के साथ एक अंकदी क्षेत्र के साथ सभी संबंधों में सहयोग करेंगे। ये कार्य और परिवर्तन क्षेत्र अनुशंसा नहीं भी समाप्त एक क्षेत्र में अंकदी शिक्षा की कला का संबंध बनाए रखेंगे।

- सरकारी और परिवारों के साथ संबंध बनाए रखेंगे।

- विभिन्न संरचनाओं के साथ सहयोग करेंगे।

- आधारांकण क्षेत्रों के साथ संबंध बनाए रखेंगे।

- समाज का संबंध बनाए रखेंगे।
42 कार्यक्रम कार्यान्वयन

इस व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए प्रत्येक संस्था को निम्नलिखित आवश्यकताओं का पूर्त करना होगा।

(क) व्यावसायिक प्रशिक्षण इंतरनैशनल संस्थें के माध्यम से किया जाना चाहिए। विद्वानी तथा अन्य विद्वान विभागों में कार्यक्रमों को विद्वानों के सैहित्यिक कौशल के साथ अनुसंधान कराने का प्रयास किया जाना चाहिए।

(ख) व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए तत्व विद्वानों के आस्था संक्षेपित प्रकार के लिए कम से कम 10 विद्वानों की वास्तविकता का प्रतीक्षित निर्धारण किया जाए। इस विद्वानों के लिए निर्धारित शिक्षा अभिकारी की सूची अनुसार होगी। ये विद्वान इस कार्यक्रम की सहायता में स्पष्ट विलोकन कार्यान्वयन और संचालन कार्यों के लिए मूल संपर्क बिनू के रूप में नियुक्त होंगे।

(ग) “शिक्षा का संरचना” तथा “पदार्थविद्या और शिक्षा–शास्त्रीय अध्ययन” संबंधी पदार्थविद्या का कार्य–संचालन करने में मदद और विविध प्रकार का उपयोग करना चाहिए, जैसे गणित अध्ययन, समस्त समाधान, विज्ञान गौरवीय में विविध ज्ञान का पाठ्यक्रम में रखना चाहिए। शास्त्रीय अध्ययन एवं विज्ञान विभागों में शोध/अध्ययन कार्य आरंभ करने के लिए आवश्यक होगा। विद्वानों का आवश्यक होगा।

(घ) अन्य और विभिन्न संरचनाओं में छात्राओं को प्रतिभाग प्रशिक्षण करने और मूल अनुभव लेकर उन्हें एक समय अनुसार शिक्षा की साक्षरता का आवश्यक किया जाएगा।

(ङ) विद्वानों और अध्ययन के लिए आवश्यक शिक्षा संस्थाओं के संबंध में छात्राओं को प्रतिभाग प्रशिक्षण करने और उनका समान और आवश्यक संकल्पना आवश्यक करने हेतु विद्वानों को आवश्यक किया जाएगा।

(च) विद्वानों के लिए आवश्यक शिक्षा संस्थाओं के संबंध में छात्राओं को प्रतिभाग प्रशिक्षण करने और उनका समान और आवश्यक संकल्पना आवश्यक करने हेतु विद्वानों को आवश्यक किया जाएगा।

(ज) विद्वानों के लिए आवश्यक शिक्षा संस्थाओं के संबंध में छात्राओं को प्रतिभाग प्रशिक्षण करने और उनका समान और आवश्यक संकल्पना आवश्यक करने हेतु विद्वानों को आवश्यक किया जाएगा।

4.3 मूल्यांकन

“शिक्षा का संरचना” तथा “पदार्थविद्या और शिक्षा–शास्त्रीय अध्ययन” के लिए कम से कम 20% से 30% तक अंक अर्जित करें। विद्वानों के लिए निर्धारित एवं जाने चाहिए तथा 70% तक 80% तक अंक वापसी के लिए अपने आपों या भारत का एक दूसरे भारतीय भारत अध्ययन आवश्यक से निर्धारित किया जाएगा। अत्याधुनिक और बाहरी मानवों की भारत संस्कृति के विश्वविद्यालय द्वारा विविध अनुभव की जाएगी। बेहतरीन और वापसी के लिए प्रतिभाग विद्वानों के लिए आवश्यक होगा। ये अनुभव निर्धारित रूप में लागू रहेंगे। विद्वानों के लिए एक आशा के रूप में विद्वानों को उनके अंदर या ग्रेड की सूची दिया जाएगी। तथा उनके आस पास नियम या सूचना को जानने हेतु निर्देश भेजा जाएगा। अत्याधुनिक मूल्यांकन के आधारों में व्यक्तिगत अध्ययन समूह प्रदत्त कार्य, प्रशिक्षण रिकॉर्ड, डाइरी, इत्यादि समाधित हो सकते हैं।

5. स्टफ

5.1 शैक्षिक संस्थान

50–50 विद्वानों के द्वारा मूल इकाईयों की भर्ती के लिए, पूरे 16 पूर्ण कालिक संस्थान सदस्य होंगे। विद्वान पाठ्यपत्रकार के लिए संयुक्त विभाग का बेंच नियामित हो जाएगा।
नोट (i) विभिन्न विषय वर्गों के अनुसार सूचीबद्ध अध्यायक हर्म अध्यायक शिक्षा कार्यक्रम में निम्नलिखित पादयथावत्तक क्षेत्रों में से किसी भी अध्यायक पादयथा को पढ़ा सकता है और इस प्रकार अध्यायिक व शिक्षाओं शास्त्रीय पादयथाओं दोनों प्रकार के पादयथाओं में अपना योगदान दे सकता है यदि दो वर्गों के लिए विद्यार्थियों की संख्या 100 है (अर्थात् एक भूमि इकाई). तो

(ii) अध्यायक का उपयुक्त एक लघु ठंड से किया जा सकता है ताकि उपलब्ध शैक्षिक विशेषज्ञता का अभिलक्षण लाभ उठाया जा सके।

5.2 अहंतारं

संकल्प की अहंतारं निम्नलिखित रूप में होगी।

ए. प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष

(i) कला/विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/मानविकी/वाणिज्य में कम से कम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर हिंदी, (ii) एम.एड., कम से कम 55% अंकों के साथ

(iii) शिक्षा में अध्यायक की शिक्षा शास्त्रीय विषय में जो उस संख्या में पढ़ा जाता है, पी.ए.डी.

(iv) कम से कम 8 वर्ष का अध्ययन अनुमान

वांछनीय : रीढ़िक प्रशासन या रीढ़िक तेजिस में हिंदी/विज्ञान

ही शिक्षा के प्रिसिपल या अध्यायक पादयथक

(i) सामाजिक विज्ञान से सवधी किसी विषय में स्थानकोटर हिंदी जिस में कम से कम 55% अंक गोरे या होने चाहिए तथा

(ii) कम से कम 55% अंकों के साथ एम.एड. हिंदी जिसमें कम से कम 55% अंक हों

(ए) शास्त्रीय तथा शास्त्रीय पादयथक

(i) विज्ञान/मानविकी/सामाजिक विज्ञान/भाषाओं में से किसी एक कम से कम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर हिंदी

(ii) 55% अंकों के साथ एम.एड. हिंदी

वांछनीय : विषय विशेषज्ञता के साथ शिक्षा में पी.ए.डी., हिंदी

नोट : उपयुक्त ख और ग को एक साथ मिला कर, दो संकल्प पदों के लिए समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, या इतिहासमात्र में कम से कम 55% अंकों के साथ एक स्नातकोत्तर हिंदी तथा किसी माध्यमिक विद्यालय में तीन वर्ष का अध्ययन अनुमान विशारदीय होगा।

(उ) विशेष अध्ययन पादयथक

शास्त्रीय शिक्षा

(i) शास्त्रीय शिक्षा में स्नातकोत्तर हिंदी (एम.एड.), जिसमें कम से कम 55% अंकों हों (योग शिक्षा में प्रशिक्षण/अहंता वांछनीय समझी जाएगी)

मूल्य कलाएं

(i) सवधी कलाओं में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर हिंदी (एम.एड.)

नियमित कलाएं

55% अंकों के साथ संगीत, मूल्य या रंगमंच में स्नातकोत्तर हिंदी
5.3 प्रशासनिक तथा व्यवसायिक स्तर

(अ) पुस्तकालय दृष्टि द्वारा (ई.विद्या के साथ-55% अंक)
एक
(ब) प्रयोगशाला सहायक (55% अंकों सहित ई.सी.ई)
एक
(ग) कार्यालय एवं लेखा सहायक
एक
(घ) कार्यालय सहायक एवं कम्यूनिटी प्रशासन
एक
(ङ) स्टॉर वोल्फ
एक
(ॠ) प्रशासनिक सहायक
एक
(ऌ) प्रयोगशाला अदालत/हैलेप/सहयोगी स्तर
दो

अन्वेषण: जैसकां संयुक्त राज्य सरकार/यूनाइटेड नियमित

नोट: किसी संयुक्त संस्था में, प्रशिक्षण तथा प्रशासनिक तथा तकनीकी स्तरकार साझा हो सकता है। ऐसी अवस्था में एक विशेषज्ञ होगा और विभिन्न प्रभारियों को विभागीय कार्य कहा जाएगा।

5.4 सेवा की शर्तें और उपबंध

अधिनियम और गैर-अधिनियम स्तर की सेवा की शर्तें और उपबंध जिनमें चयन की प्रक्रिया वेतनमान, सेवानियम और अन्य लागू नहीं शामिल हैं, राज्य सरकार/संयुक्त निकाय की नीति के अनुसार लागू होगी।

6 सूचीबद्ध

6.1 आधिकारिक चुनावीयां

(i) प्रश्नात्मक 50 विद्यार्थियों की भूमिका के क्षेत्र से पाठ उनकी अपनी कम से कम 2500 वर्ग मीटर (दो हजार पांच सौ) भूमि होनी चाहिए जो भूमि भारतीय राज्य में हो। जिसमें से 1500 वर्ग मीटर (एक हजार पांच सौ वर्ग मीटर) स्थापित किया गया हो तथा स्थानीय मामलों, क्षेत्र के वैबन इलाक़े के लिए हो। अधिकतम प्रमाण विद्यार्थियों की भूमि के क्षेत्र से संयुक्त के पास 500 वर्ग मीटर भूमि होनी चाहिए। दो सी.एं अधिक और तीन सी.एं विद्यार्थियों की भूमि भारतीय राज्य के क्षेत्र से पाठ अपनी 3500 वर्ग मीटर (तीन हजार पांच सौ वर्ग मीटर) भूमि होनी चाहिए। इस अधिनियम का कानून के पास के पाठ एक सी.एं विद्यार्थियों की अवधि भूमि के क्षेत्र 500 वर्ग मीटर अधिक वा दिखाई देना चाहिए। इन संस्थाओं के लिए अधिकारिक भूमि की जानकारी नहीं होगी।

(ii) भी.ए. और साथ अधिकारिक विभाग कायदों को देखें के लिए निम्नलिखित प्रकार से होगा:

<table>
<thead>
<tr>
<th>पाठवार्ता</th>
<th>निर्णित क्षेत्र (वर्ग मीटर में)</th>
<th>भूमि क्षेत्र (वर्ग मीटर में)</th>
</tr>
</thead>
<tbody>
<tr>
<td>भी.ए., भी.ए.ई/भी.ए.,सी.ई.</td>
<td>1500</td>
<td>2500</td>
</tr>
<tr>
<td>भी.ए.,सी.ई. + भी.ए.ई/भी.ए.</td>
<td>2500</td>
<td>3000</td>
</tr>
<tr>
<td>भी.ए. + भी.ए.ई/भी.ए.</td>
<td>3000</td>
<td>3000</td>
</tr>
<tr>
<td>भी.ए + भी.ए.ई</td>
<td>2000</td>
<td>3000</td>
</tr>
<tr>
<td>भी.ए + भी.ए.ई + भी.ए.ई</td>
<td>3000</td>
<td>3500</td>
</tr>
<tr>
<td>भी.ए.ई + भी.ए,सी.ई. + भी.ए. + भी.ए.ई</td>
<td>3500</td>
<td>3500</td>
</tr>
<tr>
<td>भी.ए + भी.ए,सी.ई. + भी.ए. + भी.ए.ई</td>
<td>4000</td>
<td>4000</td>
</tr>
</tbody>
</table>

नोट 1 भी.ए. की एक इकाई की अवधि के लिए अधिकारिक भूमि के क्षेत्र 500 (पाँच सौ वर्ग मीटर) वर्ग मीटर होगा।

(iii) संस्था के पास निम्नलिखित अधिशकताओं अवधि होनी चाहिए (प्रश्नात्मक सी.एं इकाई के लिए सुंदरीयता हो)

(क) प्रश्नात्मक 50 विद्यार्थियों के क्षेत्र से एक कक्षा कक्षा
(ख) एक बहु प्रश्नात्मक होना जिसमें दो सी.एं विद्यार्थियों के बैठने की क्षमता और एक डायव्यस भी हो (2000 वर्ग मीटर)
(ग) विद्यालय-वाहनालय कक्षा
(घ) सूचना संबंधित प्राथमिक (आई.एस.टी) संस्थान कंट्रोलर
(ङ) पाठवार्ता प्रयोगशाला
(ॠ) बैठना और शिक्षा संस्थान कंट्रोलर
(ऌ) प्रश्नात्मक विभाग
(ऌ) स्टाफ कक्षा
(ii) प्रशासनिक कार्यालय
(iii) आयुक्त कक्षा
(iv) पुस्तक और महिला विद्यालयों के अलग अलग कामन कक्षा
(v) सेमिनार कक्षा
(vi) कैंटीन
(vii) पुस्तक और महिलाओं विद्यालयों के लिए, स्टाफ, तथा प्रीडब्लूडी के लिए अलग अलग प्रशासन सुविधाएं
(viii) पारिकर्मिक स्वास्थ्य
(ix) रोजगार कक्षा (वो)
(x) यह-प्रेमप्रोजेक्ट मीडिया स्वास्थ्य
(xi) अधिरक्षित आवास के लिए खुदी जगह

(iv) संस्था में खेल के मैदान के साथ साथ खेलने सभी सुविधाएं होंगी। जहाँ पर व्याख्या है : (जैसे किसी महानगर में / पहाड़ी क्षेत्रों में) योग के लिए, स्टाफ कॉर्ट तथा इत्यादि योगों के लिए सुविधाएं होंगी चाहिए।
(v) भाषा के सभी भाषाओं में अभिन्न आपके के लिए पुस्ताक प्रवेश होने चाहिए
(vi) संस्था के परिसर, भाषा, फैशनिस्ट इत्यादि बाह्य रूप से सुविधाएं होंगी
(vii) पुस्तक और महिलाओं के लिए अलग अलग छात्रवाह सुविधाएं तथा कुछ आवासीय निवास स्थान वांछनीय होगे

6.2 अनुदेशस्तर

(क) संस्था में प्रशिक्षणशालाओं के क्षेत्र-कार्यालय तथा विद्युत अनुसंधान संबंधी क्रिया कार्यालय के लिए समृद्धित दृष्टि के भीतर पश्चात संस्था में मनोरंजन, प्रत्र हिमालय, संरचनात्मक विश्लेषण सुविधाएं होंगी। संस्था के उन विद्यालयों से इस आयात का संचालित योजना प्रस्तुत कर्म है जिस विश्लेषण-अनुसंधान के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए है। राष्ट्र का विश्लेषण निदेशक अध्यात्म विश्लेषण संस्थानों के लिए विद्यालय निदेशक अध्यात्म विश्लेषण करेंगे जिस विद्यालय की विद्यार्थी संख्या 10000 तक होनी उसके साथ 10 तक अधिक छात्रवाह तथा उसकी संस्था 20000 तक होनी उसके साथ 20 तक अधिक छात्रवाह नहीं लाए जाएंगे। यह अपेक्षित होगा अवर्ते किसी संस्थान के साथ एक उसका अपना अन्य संबंध विद्यालय भी हो।

(ख) कम से कम प्रशासनिक शाखाओं के बैठने की सुविधा सहित एक पुस्तकालय एवं वाराणसी होगा जिसमें अध्यात्म के पाठ्यक्रम के लिए एक हजार पुस्तक-श्रीकों होंगे और ऐसी श्रीकों की 3000 पुस्तकों होंगी। इसमें पुस्तकालयों के अनुसंधान संबंधी योजना पुस्तक, शासनिक विश्लेषक, विश्लेषक, संरचनात्मक विश्लेषक, इस्तेमाल किताबाण, ओवर लाइन प्रशिक्षण, तथा कम से कम शिष्य पर पावर कॉड जरूर तथा संबंध विद्यार्थियों पर पावर अन्य पत्रिकाएं फंड और जाने जाएंगी। पुस्तकालय के संचार में प्रतिवर्ष 200 श्रीकों जोड़े जाएंगे जिसमें पुस्तकों और पत्रिकाएं दोनों सम्बंधित हैं। पुस्तकालय के अंदर पोइटरों को करने की सुविधा होगी तथा इंटरनेट युक्त कम्प्यूटर होगा ताकि संबंध तथा विद्यार्थियों दोनों इसका प्रयोग कर सकें। पावर पुस्तकों तथा संबंध ग्रंथों के अनुसार प्रयोग श्रीकों की तीन तक अधिक प्रयोग नहीं होगा।

(ग) एक पाठ्यपत्र प्रदर्शनशाला होगी जिसमें विद्यालयी पाठ्यपत्रों के विनिमय क्षेत्रों से संबंधित सामग्री और अन्य संबंध होंगे।

(घ) सुरक्षा संघर्ष प्रशिक्षणीय सुविधाएं होगी जिसमें कंप्यूटर, टैक्सी, कैमरा, अक्सरक उपकरण जैसे आदि ओ टी. (सीरीज़ ऑनलाइन ट्रिनिटा), एसएआई (सीटेलेटेक्ट इंटरलैक्टिंग ट्रिनिटा) हट्टियों सम्बंधित होंगे।

(ङ) कला और कार्यकल्पना के लिए एक पूर्वस्थल से सुंगुजिल अध्यात्म-अधिगम संबंधित कक्षा होगा।

(च) भाषाओं और बांध योजना के लिए खेल और आदि, गुप्त उपकरण उपलब्ध होने चाहिए।

(छ) सामान्य संबंध उपकरण जैसे हामिलियम, ब्लैक, गंडोला तथा अन्य देशी उपकरण होंगे।

6.3 अन्य सुविधाएँ

(क) शैक्षिक और अन्य कार्यों के लिए संगुजिल मात्रा में कार्यकाल तथा उपयुक्त कॉन्फ्रेंस
(ख) वाहनों के पालक की व्यवस्था
(ग) संस्था के अंदर सुरक्षित गेयर्जल की व्यवस्था
(घ) परिसर जल तथा जल-निफिकेशन की नियमित सफाई, फैशनिस्ट तथा अन्य उपकरणों की मशरूम तथा बदलाई नोट : संयुक्त समृद्धिक संस्थाओं के लिए आयातिक, शैक्षिक तथा अन्य सुविधाएं सभी कार्यक्रमों के साझी होगी।
7. प्रबंधन समिति
संचालन कार्य विविध वित्तालय/राजम संस्थान के निम्नानुसार गठित प्रबंधन संस्था की एक प्रबंधन समिति होगी। यदि इस प्रबंधन के कोई नियम नहीं हैं तो संचालन प्रबंधन समिति का गठन अपने आप करेगी। इस समिति में सहचार सोसाइटी/स्रोत के प्रतिनिधि, कुछ वित्तविभाग सरकारी/सकारात्मक-शिक्षा, संचालन वित्तीय विवेद दल के प्रतिनिधि, तथा अध्यक्ष वर्ग के प्रतिनिधित्व संस्थान के सदस्यों के रूप में कार्य करेंगे।

परिशिष्ट-5

शिक्षा में मास्टर(एम.एड) डिग्री प्राप्त करने वाले शिक्षा में मास्टर कार्यक्रम के लिए मानदंड और मानक

1. प्रतिस्थापन
शिक्षा (एम.एड) कार्यक्रम शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में दिव्यविद्यालय समिति कार्यक्रम है जिसका लक्ष्य शिक्षक और अन्य शिक्षा-विश्वविद्यालयों के उद्देश्य करना है जिसमें पाठ्यपुस्तक निर्माता, शिक्षा-नीति विशेषज्ञ, गौरवाकार, प्रशासक, पर्यावरण-प्राचीन और शैक्षणिक आत्मा है। कार्यक्रम के समापन पर प्रारंभिक शिक्षा (कक्षा VIII तक) या माध्यमिक शिक्षा (कक्षा VI से XII) में विशेषज्ञाता के साथ शिक्षा एम.एड की उपाधि प्रदान की जाएगी।

2. आवेदन के लिए पात्र संस्थानों
(i) अपना धर्म पात्र शैक्षणिक वर्गों के लिए शिक्षक कार्यक्रम चलने वाले ऐसे संस्थान जो किसी विद्याभूमि द्वारा सम्बन्धित हो और नैक्य का आधार शैक्षणिक ग्रेड द्वारा मान्यता प्राप्त किसी अन्य प्रार्थना अधिकार से प्रत्ययन के लिए आवेदन किया हो।
(ii) कार्यक्रमों की शिक्षा-विभाग

3. अनंतर एवं कार्य विवरण
3.1 अधिवेश
शिक्षा एम.एड कार्यक्रम की अधिवेश न्यूज़ार्ट 4 संवरण के क्षेत्रीय कार्य तथा लघू रोध पत्र समेत दो शैक्षणिक पत्र की होगी। विधिवतियों को इस दिव्यविद्यालय कार्यक्रम के प्रारंभ के लिए कार्यक्रम में दाखिल कर देने की अधिकृत तीन वर्ष के बाद न्यूज़ार्ट करने की अनुमति होगी। क्षेत्रीय कार्य / प्रार्थना वर्गीय अथवा अन्य गुणवत्ता द्वारा कार्यक्रम जारी की।

3.2 कार्य-विवरण
प्रत्येक कार्य को छंदक का लोक 20 संवरण के क्षेत्रीय कार्यवाही कार्य परिसर, क्षेत्रीय प्रार्थना एवं परिसर के आयोजन समेत प्रदर्शन वर्ष तक समेत करेगा। 

4. विचारधारा व्याख्या, पाठ्य, प्रवेश विधेयक और प्रवेश
4.1 प्रवेश
इस कार्यक्रम की मूल इकाई में 50 विद्वानों होंगे। प्रत्येक संस्थान के केन्द्र एक इकाई रखने की अनुमति होगी। अधिकार्यक इकाई की अनुमति के बाद विभिन्न संस्थानों, आयोजकों तथा अन्य संस्थानों की गुणवत्ता के आधार पर दी जाएगी। संबंधी संस्थान के विषय संस्कार इस कार्यक्रम का चलाया होगा और उसे नैक्य अथवा राजनीतिक द्वारा मान्यता प्राप्त कार्यवाही अधिकार से न्यूज़ार्ट भी+ प्रदेश दिया गया है।

4.1 प्रारम्भ
(व) बी.एड. कार्यक्रम में प्रवेश के इकाई अथवा अभ्यर्थियों के पास मिलनाशिष्ट कार्यक्रमों में कम से कम 50 प्रतिशत अंक या समकक्ष प्रदेश होने चाहिए—
(i) बी.एड.
(ii) बी.एड.बी.एड. बी.एससी.बी.एड.
(iii) बी.एड.
(iv) अवर सन्तान उपाधि के साथ बी.एड. (प्रत्येक में 50 प्रतिशत अंक)।
(ब) अवर/अधिशक्ति/अधिविभाग तथा अन्य उयुक्त श्रेणियों के लिए आवेदन एवं पूर्व केंद्र संस्थान/समाज सरकार, जो भी प्रीज़योजन हों, के नियमों के अनुसार दी जाएगी।

4.3 प्रवेश विधेयक
कार्यक्रम में प्रवेश अधिक परिसर और प्रवेश परिसर में प्रवेश अंतर्गत के आयोजन पर अधिकार सत्ता वित्त विवेदालय/केंद्र शासित प्रवेश प्रार्थना की नीतियों के अनुसार किसी अन्य व्यवस्था प्रवेश द्वारा दिया जाएगा।